रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के पी सिटी– 67/2021–23

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निष्पक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही,
कानपुर–208014

वर्ष –43 ● अंक –1 ● कानपुर 1 से 15 जनवरी 2021 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹100

इलेक्ट्रो होम्योपैथी अधिकार प्राप्त चिकित्सा पद्धति–डा0 इदरीसी

इलेक्ट्रो होम्योपैथी एक अधिकार प्राप्त चिकित्सा पद्धति है इसके लिए भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय द्वारा 21 जून, 2011 व उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 4 जनवरी, 2012 को आदेश जारी किये जा चुके हैं, इन आदेशों का अनुपालन महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें उ0प्र0 के पत्र दिनांक 2–9–2013 के अनुपालन में क्रियान्वित हो रहे हैं प्रदेश का इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक अभी भी अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं है,वह अभी भी स्वयं को असुरक्षित सा महसूस कर रहा है जबकि उसे चिकित्सा व्यवसाय हेतु पूर्ण शासकीय आदेश प्राप्त है, इन परिस्थितियों से उबरने के लिए यद्यपि बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 द्वारा समस्त इलेक्ट्रो होम्योपैथों को जागरूक करने हेतु दिनांक 5 अप्रैल, 2015 से प्रदेश में चिकित्सक अधिकारिता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है यह बात बोर्ड के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी ने एक भेंट में पत्रकार वार्ता में कही उन्होंने कहा यह जानना हमारे लिए बहुत ज़रूरी है कि चिकित्सक कौन है ? सामान्य भाषा में जो चिकित्सा कार्य कर रोगी को रोगमुक्त करे उसे चिकित्सक कहते हैं लेकिन कानूनी भाषा में वैधानिक चिकित्सक वह है जो किसी विधि सम्मत ढंग से स्थापित संस्था, बोर्ड या परिषद द्वारा शिक्षित व राज्य में प्रचलित कानूनों के तहत पंजीकृत हो – *इलेक्ट्रो होम्योपैथी इन दोनों की पूर्ति करती है।*

किसी भी विधा में चिकित्सा व्यवसाय करने हेतु चिकित्सक को उस विधा में पारंगत व पंजीकृत होना चाहिये, विधा मान्यता प्राप्त हो या अधिकार प्राप्त, इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए *27 मार्च, 1953 को जारी अर्धशासकीय पत्र से स्पष्ट है कि इसे अधिकार प्राप्त है,* पत्र के अनुसार *"आप प्रैक्टिस करें और जनता में लोकप्रियता प्राप्त करें तो सरकार मान्यता देने पर विचार करेगी"* इसी तरह अधिकारों का सिलसिला चलते–चलते 4 जनवरी, 2012 के शासनादेश के साथ पटाक्षेप प्राप्त कर चुका है, परन्तु अधिकारों के साथ–साथ हमें कर्तव्यों का पालन भी करना है क्योंकि उत्तर प्रदेश में चिकित्सा व्यवसाय करने हेतु अनाधिकृत, अप्रशिक्षित व अपंजीकृत चिकित्सकों के विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेश दिनांक 25 अप्रैल, 2000 के अनुपालन में योजित माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद में अवमाननावाद संख्या 820/2002 राजेश कुमार श्रीवास्तव बनाम श्री ए0 पी0 वर्मा मुख्य सचिव, उ0प्र0 व अन्य में पारित आदेश दिनांक 28–1–2004 के निर्देशानुसार सभी चिकित्सकों का पंजीयन ज़िले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में होना था शासनादेश संख्या 1297/71–आयु ष–1–2016–डब्लू–283/2014 दिनांक 03 अगस्त, 2016 द्वारा इसमें संशोधन किया जा चुका है इस शासनादेश के अनुसार

(अ) चिकित्सा कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व कोई भी निजी चिकित्सक/प्रतिष्ठान यदि वे आधुनिक चिकित्सा पद्धति (एलोपैथ) से सम्बंधित हैं तो मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में अपना पंजीकरण आवश्यक रुप से करायेंगे।

(ब) चिकित्सा कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व कोई भी निजी चिकित्सक /प्रतिष्ठान यदि वे आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा पद्धति से सम्बंधित है तो क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी के कार्यालय में अपना पंजीकरण आवश्यक रुप से करायेंगे।

(स) चिकित्सा कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व कोई भी निजी चिकित्सक/प्रतिष्ठान यदि वे होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति से सम्बंधित है तो वे जिला होम्योपैथिक अधिकारी के कार्यालय में अपना पंजीकरण आवश्यक रुप से करायेंगे।

इसी प्रकार चिकित्सा कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक अपना पंजीकरण बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 द्वारा इस हेतु नियुक्त अधिकारी के कार्यालय में आवश्यक रुप से करायें।

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 का यह मत है कि प्रदेश में अधिकार पूर्वक चिकित्सा प्रारम्भ करने से पूर्व *इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक जो बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 द्वारा पंजीकृत हैं वे अपना पंजीकरण अविलम्ब नवीनीकृत करा कर पोर्टल पर अपडेट करा लें जिससे उन्हें जिला स्तरीय पंजीकरण प्राप्त करने में कोई असुविधा न हो।*

प्रैक्टिस पर न कभी रोक थी और न है और न ही होगी, क्योंकि राज्य के उचित प्रतिबन्ध के साथ प्रैक्टिस करना हमारा मौलिक अधिकार है परन्तु अधिकारों के साथ–साथ कर्तव्य भी होते हैं जिनको जानना मात्र आवश्यक ही नहीं है परन्तु इनका पालन भी करना चाहिये, इसके लिये विधि मान्य संस्था से अर्हताधारी एवं पंजीकृत चिकित्सक होना आवश्यक है तथा शासकीय आदेशानुसार जिला स्तरीय पंजीयन भी अनिवार्य है।

अधिकारिता सप्ताह मनाने का आवाहन

समस्त इलेक्ट्रो होम्योपैथिक छात्रों, चिकित्सकों एवं संस्थाओं तथा शुभचिन्तकों से आवाहन किया जाता है कि गत **वर्ष 2020 की** भाँति इस वर्ष भी **अधिकारिता दिवस** मनाये जाने के सम्बन्ध में निश्चय किया गया है कि दिनांक 4 जनवरी से **11 जनवरी तक अधिकारिता सप्ताह** के रुप में कार्यक्रम आयोजित किये जायें, जिसमें बैठक एवं गोष्ठी तथा जनता के लिये निःशुल्क चिकित्सा शिविर आदि लगा कर क्षेत्र में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के प्रचार के साथ–साथ कोरोना काल में उत्पन्न हुयी शून्यता को समाप्त कर नव वर्ष के नये प्रकाश में अपना नया आयाम स्थापित कर सकते हैं।

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0 द्वारा पंजीकृत/अधिकृत समस्त चिकित्सकों/ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्सटीट्यूट/मेडिकल इन्सटीट्यूट/स्टडी सेन्टर/गाइडेन्स सेन्टर्स के समन्वयकों/व्यवस्थापकों से अपेक्षा है कि स्थानीय व्यक्तियों की सहभगिता के साथ 04 जनवरी 2021 से 11 जनवरी, 2021 तक"अधिकारिता दिवस कार्यक्रम" अधिकारिता सप्ताह के रुप में समारोह पूर्वक आयोजित करें, सभी प्रकार के आयोजनों में COVID-19 के प्रोटोकॉल का पालन करें।

"दो गज़ की दूरी मास्क है ज़रुरी"

नये साल में नया करिश्मा

गत वर्ष 2020 कोरोना जैसी वैश्विक महामारी की भेंट चढ़ गया जहाँ एक ओर जनता त्रस्त थी वहीं चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोग भी इस महामारी से जुझते रहें परिणाम यह रहा कि एलोपैथी को छोड़कर कोई भी चिकित्सा पद्धति समाज में अपना सामान्य कार्य भी नहीं कर सकी, इसमें सबसे ज्यादा प्रभावित इलेक्ट्रो होम्योपैथी ही हुई क्योंकि इलेक्ट्रो होम्योपैथी को अब तक कोई भी स्थान प्राप्त नहीं था और उस पर विडम्बना कि इस महामारी के बचाव के लिए भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) के पास कमान थी और आज भी है, सौभाग्य ही कहा जायेगा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी का सम्बन्ध लगभग पिछले तीन वर्षों से भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) के साथ बना हुआ है जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता के लिए भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा गठित अन्तर विभागीय समिति (IDC) में अग्रणी की भूमिका निभा रही है।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) के साथ सामांजस्य बनाने में पिछड़ गयी है जिसके कारण इलेक्ट्रो होम्योपैथी को जो अवसर कोरोना महामारी के बचाव में मिल सकता था वह नहीं प्राप्त हो सका क्योंकि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) निरन्तर गत तीन वर्षों से इलेक्ट्रो होम्योपैथी का विभिन्न स्तरों पर परीक्षण कर रही है और इलेक्ट्रो होम्योपैथी की उत्पत्ति एवं विकास के बारे में उसके पास अनेक सूचनायें भी उपलब्ध हैं, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) का यह मत प्रतीत होता है कि वह अब यह चाहती है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की शैक्षिक गतिविधियों एवं औषधि निमार्ण के विषय में उसे जानकारी उपलब्ध करा दी जाये तो वह इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मान्यता प्रदान करने में अपनी संस्तुति सरकार को कर देगी।

वर्ष 2020 में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के साथ ही ऐसा व्यवहार नहीं किया गया अपितु अन्य चिकित्सा पद्धतियों को भी कोरोना महामारी में कार्य करने का अवसर नहीं मिला, देश में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में पारम्परिक एवं वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों को भी कोई अवसर प्राप्त नहीं हुआ है यह भारत देश का सौभाग्य है कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र दामोदर दास मोदी जी ने योग एवं आयुर्वेद से लगाव के कारण विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा जारी दिशा निर्देशों की अनदेखी करते हुए देश में प्रचलित आयुष चिकित्सा पद्धतियों को अवसर प्रदान किया और कोरोना महामारी बीमारी के इलाज के बजाय शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जिससे देश में प्रचलित आयुष चिकित्सा पद्धति द्वारा इलाज कर रहे चिकित्सकों का मनोबल बढ़ा और साथ ही इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों ने भी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए अपना योगदान देते हुए इससे सम्बन्धित औषधियां भी जनता के बीच उपलब्ध करायीं। इस महामारी काल में इलेक्ट्रो होम्योपैथी से सम्बन्धित शासकीय गतिविधियां जहाँ बन्द सी हो गयीं वहीं इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक आपदा प्रबन्धन अधिनियम के अधीन जारी दिशा निर्देशों के कारण चिकित्सकीय कार्य नहीं कर सके, जिससे शून्यता की स्थिति उत्पन्न हो गयी इसके बावजूद इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक/संस्थान कोविड–19 की रोकथाम व बचाव हेतु निरन्तर जनता को जागरूक करते रहे और यथा सम्भव उन्हें स्वास्थ्य के प्रति सजग करते रहे।

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों/संस्थाओं ने इस संक्रमण काल में भी अपना धैर्य नहीं छोड़ा और निरन्तर सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन करते हुए जनता की सेवा करते रहे, सरकार को इस वैश्विक महामारी से निपटने के लिए अपना आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया, इस काल में जिन लोगों ने धैर्य से कार्य करते हुए जो भी अनुभव प्राप्त किये हैं वह एक तरह से आज पुर्ननिर्माण की ओर चल दिये हैं इस काल में उन्होंने सिद्ध कर दिया कि वह सबकुछ कर सकते हैं जिसकी आज आवश्यकता है या फिर जिसकी बहुत दिनों से अपेक्षा है, यह किसी करिश्मे से कम नहीं है।

एक करिश्मा और भी इस नये वर्ष में हो सकता है जो मैटी जयन्ती के अवसर पर सरकार द्वारा उन्हें कोई शुभ सूचना प्राप्त हो सकती है क्योंकि मैटी जयन्ती के ही दिन भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा गठित अन्तरविभागीय समिति (IDC) की बैठक आहुति की गयी है। नव वर्ष मंगल मय हो

Continued from last issue

Table 1.

List of Medicinal Plants used in Electro Homoeopathic Medicines
Their family and plants used in different remedies

S N.	Name of Plant	Family	Plant used in different remedies
1	Artimisium abrtanum	Asteraceae	A-3
2	Achilia millefolium	Asteraceae	A-2 , W.E.
3	Aconitum napellus	Ranunculaceae	F-1,,P-4, R.E.,
4	Adiantum capillus veneries	Pteridaceae	P-1,2,3,4,W.E.
5	Aesculus hippocastanum	Sapindaceae	A-2, F-1,F2,S-10
6	Agaricus muscarius	Agaricaceae	W.E.
7	Ailanthus glandulosa	Simaroubaceae	C-13,
8	Aloe capensis	Liliaceae	Slass
9	Althea officinalis	Simaroubaceae	Feb-1, Pet-4, RE
10	Allium cepa	Amaryllidaceae	P-1,2,3,4,Y.E.
11	Allium sativum	Amaryllidaceae	Verm 1,2
12	Anthemis nobilis /Chamaemelum nobile	Asteraceae	W.E.
13	Artemisia cina	Asteraceae	Verm-1, 2
14	Arnica montana	Asteraceae	A-1,A-3,P-4,C-6,W.E., APP
15	Atropa Belladona	Solanaceae	S-12, C-13
16	Avena sativa	Poaceae	A-1,2,3, W.E.
17	Berberis vulgaris	Berberidaceae	F-1,2, S-5,C-1
18	Betula Alba	Betulaceae	V-1
19	Capsella Bursa Pastoris	Brassicaceae	A-1 B.E.
20	Carduous Benedictus	Asteraceae	C-1
19	Caulophyllum thalictroides	Berberidaceae	C-1
20	Cetraria Islandica	Parmeliaceae	S-10, F-1,2,B.E.
22	Chelidonium Majus	Papaveraceae	C-10,W.E
23	Chenopodium Anthelminticum	Amaranthaceae	Verm-1
24	Cimicifuga Racemosa	Ranunculaceae	W.E.
25	Cannabis Sativa	Cannabaceae	V-1
26	Cinchona Calisaya	Rubiaceae	S-10,F-1,2,B.E.
27	Cinchona Succirubra	Rubiaceae	S-10,F-1,2,
28	Clematis Erecta	Ranunculaceae	V-1
29	Cochlaria Officinalis	Brassicaceae	S-1,2,3,5,6,10,11,12
31	Conium Maculatum	Apiaceae	C-1,2,3,4,5,6,10,13,C-15,16,G.E.
32	Dictamus Albus	Rutaceae	V-1,2
33	Drosera Rotundifolia	Droseraceae	P-3
34	Daphne Mezerum	Thymelaeceae	C-3
35	Echinacea Angustifolia	Asteraceae	L-1
36	Erythrea Centaurium	Gentianaceae	F-1,2, S-10,L-1
37	Eucalyptus Globulus	Myrtaceae	P-1,2,3,4,V-1
38	Euonymus Europeus	Celastraceae	A.P.P.
39	Euphorbhium Arvense	Euphorbiaceae	V-1
40	Eupharasia Officinalis	Scrophulariaceae	S-12
41	Equisetum Arvense	Equiseraceae	B.E., G.E
42	Ervum Lens	Fabaceae	B.E.
43	Fucus Vesiculosis	Fucaceae	L-1
44	Galeopsis Ochroleuca	Lamiaceae	P-2
45	Genista Scoperia	Fabaceae	W.E.
46	Gentiana Lutea	Gentianaceae	SLASS
47	Glechoma Hederacea	Lamiaceae	P-2
48	Guaiacum Officinale	Ygophyllaceae	W.E
49	Hammamelis Verginica	Hammamelidaceae	A-2, G.E.
50	Humulus Lupulus	Cannabaceae	L-1
51	Hydrastis Canadensis	Ranunculaceae	A1,2,3 P-3, S-1,2,3,5,6,10,12
52	Hyoscyamus Niger	Solanaceae	P-3
53	Imperatoria Ostruthum	Apiaceae	V-1
54	Rhododendrontemento	Ericaceae	C-6
55	Lobelia Inflata	Campanulaceae	S-11
56	Lycopodium Clavatum	Lycopodiaceae	S-2
57	Malvasylvestris	Malvaceae	A-1,3
58	Matricaria Chamomilla	Asteraceae	S-1,2,3,5,6,11,12
59	Melissa Officinalis	Lamiaceae	S-11
60	Menyanthes Trifoliata	Menyanthaceae	L-1, W.E.
61	Marsdinia Condurango	Apocynaceae	C-15
62	Myrtus Communis	Myrtaceae	V-1
63	Nasturtium Officinale	Brassicaceae	S-1,2,3,5,6,10,11,12
64	Oxalis Acetosella	Oxalidaceae	L-1
65	Petroselinum Sativum	Apiaceae or Umbelliferae	C-2, W.E
66	Phelandrium Aquaticum	Umbelliferae	P-1,2,3,4
67	Phytolacca Decandra	Phytolaccaceae	C-5, G.E.
68	Pimpinella Saxifraga L.	Apiaceae	C-1,2,3,4,5,6,10,13,15,17
69	Pinus Maritama	Pinaceae	B.E.
70	Pinus Nigra	Pinaceae	B.E., APP
71	Podophyllum Peltatum	Berberidaceae	C-10, Y.E.
72	Polygala Amara	Polygalaceae	P-1,2,3,4
73	Populus Alba	Salicaceae	G.E
74	Populus Tremuloides	Salicaceae	C-17, V-1,G.E.
75	Pulmonaria Officinalis	Boraginaceae	L-1

Continued on Page 3

Table 1. Continued from Page 2

S N.	Name of Plant	Family	Plant used in different remedies
76	Pulsatilla Vulgaris	Ranunculaceae	A-3
77	Rheum Officinale	Polygonaceae	S-3
78	Rhododendron Ferrugineum	Ericaceae	R.E.
79	Rhus Aromatica	Anacardiaceae	C-17
80	Rhustoxicodendron	Anacardiaceae	C-1,2,3,4,5,6,10,13,15,17
81	Rosa Canina	Rosaceae	V-1,R.E.
82	Rosamarinus Officinalis	Lamiaceae	R.E.
83	Ruta Graveolens	Rutaceae	V-1,2,W.E.,Y.E.
84	Salix Alba	Salicaceae	F-1,2, S-10
85	Salvia Officinalis	Lamiaceae	B.E.
86	Salvia Sclarea	Lamiaceae	B.E.
87	Sambucus Nigra	Adoxaceae	F-1,2, S-10, Y.E, GE
88	Sanguinaria Canadensis	Papaveraceae	A-1,2,3, WE
89	Sanguisorba Officinalis	Rosaceae	W.E
90	Scrophularia Nodosa	Scrophulariaceae	S-1,2,3,5,6,10,11,12, APP
91	Scolopendrium Vulgare	Aspleniaceae	F-2
92	Simaruba Amara	Simaroubaceae	L-1
93	Smilex Medica	Smilacaceae	S-1,2,3,5,6,10,11,12, V-1, APP
94	Solidago Vigurea	Asteraceae	S-6
95	Solanum Dulcamara	Solanaceae	V-1
96	Spigelia Anthelmia	Loganiaceae	Verm-2
97	Steffensia Elongata	Piperaceae	V-1
98	Strychnous Nux Vomica	Loganiaceae	S-1, C-15, Slass
99r	Symphytum Officinale	Boraginaceae	C-4
100	Tanacetum Vulgarae	Asteraceae	Verm -1
101	Taraxacum Officinalis	Asteraceae	W.E. APP
102	Taxus Baccata	Taxaceae	W.E.
103	Teucriums Cordium	Lamiaceae	P-2
104	Thuja Occidentalis	Cupressaceae	V-1
105	Thymus Serpyllum	Lamiaceae	Verm -1
106	Tilia Europaea	Malvaceae	V-1
107	Tussilago Farfara	Asteraceae	S- 1,2,3,5, 6,10,11
108	Veronica Officinalis	Plantaginaceae	S-1,2,3,5,6,10,11 V-1
109	Viburnum Opulus	Adoxaceae	V-1
110	Vinca Minor	Apocynaceae	V-1,APP
112	Viscum Album	Santalaceae	W.E.
113	Vitis Vinifera	Vitaceae	R.E., APP
114	Vincetoxicum Officinalis	Apocynaceae	C-1,2,3,4,5,6,10,13,15,17

Table 2.

Name of the ElectroHomoeopathy remedies

Sl.	English Name	German Name	Abbreviation	Number of preparations
1	Angioiticos	Adermittel	A1 to A3	3
2	Canceroso	Gewebemittel	C1 to C17	17
3	Febrifugos	Fieber - und Nervemittel	F1 and F2	2
4	Linfatico	Lymphmittel	L 1 and L2	2
5	Pectoral	Brusmittel	P 1 to P9	9
6	Scrofoloso	Stoffwechselmittel	S 1 to S 12	12
7	Vermifugo	Darmmittel	Ver 1 and Ver 2	2
8	Venerios	Konstitutionsmittel	V 1 to V 5	5
9	Scrofoloso	NA	Slass	1
10	Lassativo Synthesis	NA	SY	1

Electrals

Sl.	English Name	German Name	Abbreviation	Number of preparations
1	Blue Electral	Capsella	BE	1
2	Green Electral	Populus	GE	1
3	Red Electral	Rhododendern	RE	1
4	Yellow Electral	Sambucus	YE	1
5	White Electral	Viscum album	WE	1
6	Aqua Perlla Perli	(APP) / Slass	APP	1

Table 3.

Fundamental Differences between Homoeopathy & ElectroHomoeopathy

Sl.	Details	Homoeopathy	Electrohomeopathy
1	Native of Invention	German	Italian
2	Founder	Hahnemann	Ceasre Mattie (1809–1896)
3	Period of concept Invention	1790s	1860s
4	Invention	Homoeopathy was invented and Established by a German Physician SCF Hahnemann (1755–1843)	Electro Homoeopathy was Invented and established by Italian Physician Ceasre Mattie (1809–1896)
5	Basic Principle	"Similia similibus curantur"	"Complexa Complexis Curantur"
6	Brief Description of Basic Principle	"like cures like"In simple words,it means that any substance, which can produce symptoms in a healthy person, can cure similar symptoms in a deceased person.	Our Body is complex and complex body requires complex medicines to cure
7	Proovings	Proovings are on Healthy Persons	Proovings are on deceased Persons

JANUARY 2021

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
31					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

FEBRUARY 2021

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28						

MARCH 2021

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

APRIL 2021

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	

MAY 2021

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
30	31					1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

Dr. Count Ceasure Mattei 11th January, 1809

JUNE 2021

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30			

JULY 2021

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

AUGUST 2021

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

SEPTEMBER 2021

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30		

OCTOBER 2021

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
31					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

NOVEMBER 2021

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30				

DECEMBER 2021

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

Un forgettable dates

04 January → *Adhikar Diwas*
11 January → *Mattei Diwas*
24 April → *Board's Foundation Day*
21 June → *Vijay Diwas*
25 July → *EHMAI Foundation Day*
04 September → *Mattei Nirwan Diwas*
30 November → *Prerna Diwas*

(Dr. N.L. Sinha Jayanti)